प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

21-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारम्भ

पंतनगर। 9 फरवरी 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग के उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा आयोजित फसलों की गुणवत्ता एवं उपज बढ़ाने के लिए पौध रोग नियंत्रण की आधुनिक धारणा विषय पर 21-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 08 फरवरी 2019 को प्रारम्भ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने की। अपने उद्घाटन संबोधन में कुलपति ने कहा कि देश में हरित क्रान्ति का प्रादुर्भाव पादप रोग विज्ञान, पादप प्रजनन विज्ञान एवं सस्य विज्ञान के सहयोग का ही परिणाम था, जिसके कारण देश में खाद्यान्न का भरपूर उत्पादन संभव हो सका और आज हमारा देश दूसरे देशों को खाद्यान्न का निर्यात करने में सक्षम हो पाया। उन्होंने कहा कि अब हमें सुरक्षित खाद्यान्न के बारे में सोचना होगा, जिसमें पादप रोग वैज्ञानिकों की अहम भूमिका है। डा. प्रताप ने कहा कि पूरे विश्व के फसल उत्पादन का लगभग 22 प्रतिशत भाग पौध रोगों के कारण नष्ट हो जाता है, जिसको बचाने के लिए फसलों में रोगनाशक रसायनों का प्रयोग हो रहा है। रोगनाशक रसायनों के कारण फसल हानि तो कम हो गई है परन्तु वातावरण पर इसके दुष्परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं और प्राकृतिक आपदायें आ रही हैं। अतः हमें हरित क्रान्ति के बाद अब हरित अर्थव्यवस्था के बारे में सोचना होगा जो कि न सिर्फ कृषि वैज्ञानिकों वरन् औद्योगिक इकाइयों का भी कार्य होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि पौध रोग निवारण हेतु 'ट्रान्सफार्मिंग टूल्स' का प्रयोग करना चाहिए, परन्तु सभी इनोवेशन समाज के हितों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार, ने भी फसल उत्पादन में पौध रोगों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि सतत कृषि उत्पादन के लिये पौध रोग नियंत्रण हेतु सतत प्रयास करने होंगे और बहुआयामी संगठित प्रणाली बनानी होगी। इस परिपेक्ष्य में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यधिक उपयोगी है। कार्यक्रम का प्रारम्भ डा. करूणा विशुनावत, निदेशक, उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र, के स्वागत भाषण से हुआ तथा समापन डा. ए.के. तिवारी, कार्यक्रम समन्वयक, के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में देश के 10 राज्यों के 22 प्रशिक्षणार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र में विभाग के सभी वैज्ञानिक व शोधार्थी उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र में मंचासीन कुलपति, डा. तेज प्रताप (बाएं से तृतीय) एवं अन्य वैज्ञानिक।